

## ॥ श्रीरामकृष्ण आश्रम इन्स्टीट्यूट (हाईस्कूल) ॥

### ॥ बांग्ला भाषा ओ साहित्य ॥

#### ॥ नवम श्रेणी ॥

#### ॥ निजे पढो ॥

- पाठेर नाम: भावसम्प्रसारण

-नमुना उत्तर-

*द्वार रुद्ध करे दिये द्रमटाके रुधि*

*सत्य बले, आमि तबे कोथा दिये टुकि?*

द्रमके आटकावार जन्य यदि दरजा आमि बन्ध करे दिई; तबे सत्येर प्रवेशेर पथओ अवरुद्ध हये पड़बे। सत्यओ आमार काछे कोनोभावे पोँछते पारबे ना।

जीबनेर शाश्वत अर्थति हल एगिये चला। एगिये चलातेई मानुषेर जीबन नतुनेर आस्वाद पाय, स्थिर हये गेले ताके मृत रूपे ज्ञान करते हय। एई एगिये चलार पथ कोनोभावेई मसूण नय। ता चिरकालई उथानपतनमय। जीबनेर पथे विचित्र अभिज्ञतार सम्मुखीन हते हय मानुषके। सेई अभिज्ञतार मध्ये सत्य, मिथ्या किंवा द्रम सकलई आसे याय। मानुषेर अन्तरे सकलई छाप रेथे याय। किन्तु सत्य ये कठिन, ताई साधारण मानुष सत्यके आडाल करे मनेर द्वार रुद्ध करे। द्रम वा मिथ्याके सत्य बले प्रतिपन्न करते चाय। सत्य तखन सामयिक आवद्ध हलेओ निजेर शक्तिर द्वारा आत्मप्रकाशित हय। मानवमन सत्येर सेई आलोके निजेदेर मनेर मलिनतके दूरीडूत करे तोले, सार्थक हय मानवजीबन। मिथ्या वा द्रम कखनई मानुषेर बोधके पूर्णता प्रदान करते पारे ना। सत्य मानुषेर मर्ममूले प्रवेश करले पूर्ण हय मानुषेर जीबन। सेई पूर्णतार जन्यई आमामेदेर मनेर रुद्ध द्वार सर्वदा खुले राखते हबे।

#### ॥ निजे करो ॥

१. मेघ देखे केउ करिसने डय

आडाले तार सूर्य हासे।

२. शैबाल दिघीरे बले उच्च करि शिर

लिखे रेथो एक फोँटा दिलम शिशिर।

३. अन्याय ये करे आर

अन्याय ये सहे

तब घृणा तारे येन तृणसम दहे।

৪. এ জগতে হয় সেই বেশি চায় আছে যার ভুরি ভুরি  
রাজার হস্ত করে সমস্ত কাঙালের ধন চুরি।

৫. প্রিয়, ফুল খেলবার দিন না অদ্য  
ধ্বংসের মুখোমুখি আমরা ।

SRAI